Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

15 अप्रैल 2026

वर्ष - 03, अंक - 50 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 1,51,905 Silver 2,95,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाओं का होगा तेजी से सशक्तिकरण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास और प्रगति के पथ पर अग्रसर है। वर्ष 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। प्रधानमंत्री श्री मोदी महिलाओं के हित में लगातार निर्णय लेकर महिलाओं को अधिकार देने के साथ उन्हें सशक्त बना रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. अंबेडकर की पहल को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नारी शक्ति को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलवाने का संकल्प लिया है। यह 21वीं शताब्दी का सबसे बड़ा निर्णय है। इस अधिनियम के लागू हो जाने के बाद नारी शक्ति का तेजी से सशक्तिकरण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को इंदौर के परस्पर नगर स्थित लता मंगेशकर ऑडिटोरियम में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का पालन करते हुए मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाकर उनके हित में नया इतिहास लिखा, तो वहीं अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर देवी अहिल्याबाई का शहर है और स्वर कोकिला लता मंगेशकर की जन्मस्थली है। आज हम जिस सभागृह में उपस्थित है वह लता मंगेशकर की स्मृति में बनाया गया है।

यशोदा माता, पन्नाधाय, अहिल्याबाई और रानी दुर्गावती उत्कृष्ट का व्यक्तित्व अमर – मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगर मां-बेटे का संबंध किसी को बताना है तो सिर्फ यशोदा मैया का नाम लेने से कृष्ण-कन्हैया का स्वतः ही स्मरण हो जाता है। यशोदा मैया के प्रण की पराकाष्ठा ऐसी थी कि उन्होंने अपनी संतान के प्राणों की चिंता न करते हुए कन्हैया का लालन-पालन किया। जब तक कन्हैया उनके पास रहे कभी बाल बराबर भी आंच नहीं आने दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना धाय का उदाहरण देते हुए कहा कि एक मां ने राज परिवार के बच्चे के प्राणों की रक्षा के लिए अपने कलेजे के टुकड़े को आंखों के सामने बलिदान होते देखा। वहीं, इंदौर में सुशासन स्थापित करने वाली लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने प्रजा के हितों की रक्षा के लिए पूरा जीवन समर्पित कर दिया। जब पेशवा की सेना राज्य पर आक्रमण करने आई तो माता अहिल्याबाई ने सेना तैयार की, जिसका नेतृत्व उन्होंने स्वयं किया था। उन्होंने अपनी युक्ति और बुद्धि से पेशवाओं को सचेत किया कि बहनों से युद्ध करने पर इतिहास में इसका परिणाम किस प्रकार देखा जाएगा। बहनें कभी हारने वाली नहीं हैं, अगर हार भी गए तो पेशवाओं के माथे पर कलंक लगेगा कि उन्होंने पूरी ताकत से लड़ते हुए राज्य की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाकौशल की रानी दुर्गावती ने अकबर के शासनकाल में 52 युद्ध लड़े और सभी में विजय प्राप्त की थी। आखिरी युद्ध में दुश्मन सेना ने तोप का प्रयोग किया। तब रानी ने अपने महावत को आज्ञा पूर्वक खंजर सौंपते हुए कहा कि मैं आखिरी सांस तक युद्ध करूंगी, अगर सेना पराजय की स्थिति में आए तो तुम मेरी जीवन लीला समाप्त कर देना। रानी दुर्गावती ने राज्य की रक्षा के लिए स्वयं को बलिदान कर दिया।

विपक्षी दल करते हैं वंदेमातरम् का अपमान – मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह दुर्भाग्य का विषय है कि विपक्षी दल वंदेमातरम् का अपमान कर रहे हैं। इसी प्रकार से राम मंदिर के समय भी समाज को बांटने की कोशिश हुई थी। जब सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक को खत्म कर दिया, तब भी विपक्षी दल की सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को पलट दिया। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सुप्रीम कोर्ट के दो निर्णयों को लागू करवाया गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मुस्लिम बहनों को तीन तलाक के कलंक से मुक्ति दिलवाई। बदलते दौर के भारत में अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से बढ़ेगा बेटियों का मान – विधायक श्रीमती मालिनी गौड़ ने कहा कि जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। सनातन संस्कृति में नारी को सदैव ज्ञान, शक्ति और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। पंचायत राज संस्थाओं में आधे स्थानों पर महिलाओं को आरक्षण देने के लिए प्रदेश सरकार धन्यवाद की पात्र है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लागू होने पर देश की हर बेटी ऐतिहासिक निर्णयों में अपनी भूमिका निभा पाएगी।

जनगणना में महिला का नाम बताने के लिए परिवार को बाध्य नहीं कर सकेंगे कर्मचारी, गृह विभाग की गाइडलाइन

भोपाल। मध्य प्रदेश में आगामी जनगणना को लेकर गृह विभाग ने विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इन निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि जनगणना कार्य में लगे कर्मचारी किसी परिवार के सदस्य को महिला का नाम बताने के लिए बाध्य नहीं कर सकेंगे। जनगणना के दौरान गलत जानकारी देने या कार्य में बाधा डालने पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान भी किया गया है, तो दोषी पाए जाने पर तीन वर्ष तक की सजा और आर्थिक दंड लगाया जा सकता है।

दो चरणों में होगी जनगणना – राज्य में जनगणना दो चरणों में संपन्न होगी। पहला चरण एक से 30 मई के बीच होगा, जिसमें मकान सूचीकरण का कार्य किया जाएगा। दूसरा चरण फरवरी 2027 से शुरू होगा, जिसमें जनसंख्या से संबंधित विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया के लिए गृह विभाग को नोडल एजेंसी बनाया गया है।

कर्मचारियों को दिए गए विशेष अधिकार – दिशा-निर्देशों के अनुसार, जनगणना कर्मचारी केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित सभी प्रश्न पूछ सकेंगे और नागरिकों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। साथ ही, कर्मचारी घर, परिसर या अन्य स्थानों में प्रवेश कर आवश्यक जानकारी एकत्र कर सकेंगे, बशर्ते वह स्थान प्रतिबंधित श्रेणी में न आता हो।

बाधा डालने पर होगी कार्रवाई – यदि कोई व्यक्ति जनगणना कार्य में बाधा उत्पन्न करता है या कर्मचारियों को जानकारी एकत्र करने से रोकता है, तो उसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में एक हजार रुपये तक का जुर्माना और तीन वर्ष तक की सजा का प्रावधान है।

मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य में भारत विकास परिषद 'सुभाष' शाखा का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

नीमच। सेवा, संस्कार और समर्पण के ध्येय को आत्मसात करने वाली संस्था भारत विकास परिषद, सुभाष शाखा का वार्षिक दायित्व ग्रहण समारोह स्थानीय मणिरत्नम रिसॉर्ट के मनोरम परिसर में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह रहे, वहीं राष्ट्रीय ओजस्वी वक्ता परम पूज्य गुरुदेव श्री मनोज जी कश्यप की विशेष उपस्थिति ने कार्यक्रम को आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत कर दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक दिलीप सिंह परिहार, नगर पालिका अध्यक्ष स्वाती चोपड़ा एवं वरिष्ठ समाजसेवी संतोष चोपड़ा उपस्थित रहे। अतिथियों ने माँ भारती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रांतीय सचिव एवं शपथ अधिकारी विनोद काला ने नई कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर अध्यक्ष मनीष गर्ग सचिव प्रमोद मालू, कोषाध्यक्ष अशोक सोनी, महिला प्रमुख संध्या राठी सहित पूरी टीम ने निष्ठापूर्वक दायित्व निर्वहन का संकल्प लिया। कार्यक्रम में रीजनल सेवा प्रमुख प्रदीप चोपड़ा, संरक्षक सुनील सिंहल एवं पूर्व अध्यक्ष ललित राठी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। समारोह को संबोधित करते हुए गुरुदेव श्री मनोज जी कश्यप ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि "सेवा ही सच्चा धर्म है और राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।" उन्होंने उपस्थित जनसमूह को समाज सेवा के कार्यों में आगे बढ़कर योगदान देने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने परिषद की कार्यप्रणाली को राष्ट्र निर्माण के लिए महत्वपूर्ण बताया। विधायक दिलीप सिंह परिहार ने परिषद के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के वंचित वर्गों के लिए प्रेरणादायक बताया। वहीं नपा अध्यक्ष स्वाती चोपड़ा ने हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन संगीता जरौली एवं उमेश शर्मा ने किया। अंत में सचिव प्रमोद मालू ने आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं परिषद सदस्य उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश बोर्ड-10वीं-12वीं रिजल्ट, सुबह 11 बजे

भोपाल । मध्य प्रदेश में एमपी बोर्ड 10वीं और 12वीं के लाखों छात्रों का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग के अनुसार, 15 अप्रैल को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री निवास में सीएम डॉ. मोहन यादव रिजल्ट घोषित करेंगे। इस वर्ष लगभग 16 लाख छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे।

मंत्री बोले- रिजल्ट 'फुलप्रूफ' रखा गया – स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के अनुसार, रिजल्ट से पहले क्रॉस चेकिंग और वैरिफिकेशन तेजी से पूरा किया गया। हर स्तर पर जांच की गई, ताकि कोई गलती न रहे। रिजल्ट 'फुलप्रूफ' रखा गया है, जिससे छात्रों को परेशानी न हो।

16 लाख से ज्यादा छात्र हुए शामिल – इस वर्ष प्रदेश में 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में करीब 16 लाख से अधिक छात्र शामिल हुए हैं। इनमें लगभग 9 लाख 7 हजार विद्यार्थी 10वीं और करीब 7 लाख छात्र 12वीं की परीक्षा में बैठे। इतनी बड़ी संख्या को देखते हुए परीक्षा संचालन के लिए प्रदेशभर में 3856 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा के दौरान छात्रों की सेहत को लेकर भी विशेषज्ञों ने अहम सलाह दी है।

भाजपा ने मनाई बाबा साहेब की जयंती : माल्यार्पण के बाद विधायक ने कहा- देश संविधान के अनुरूप

नीमच । नीमच में भारतीय संविधान के शिल्पकार भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (दीनदयाल मंडल) द्वारा मनाई गई। इस अवसर पर मेसी शोरूम चौराहा स्थित अंबेडकर सर्किल पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एकत्रित हुए।

कार्यक्रम में विधायक दिलीप सिंह परिहार, भाजपा जिला अध्यक्ष वंदना खंडेलवाल और मंडल अध्यक्ष दारा सिंह यादव सहित अन्य पदाधिकारियों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उपस्थित नेताओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन संघर्ष और उनके संदेशों पर प्रकाश डाला। विधायक परिहार ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान के अनुरूप ही आज पूरा भारत चल रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार की योजनाओं में भी अंतिम पंक्ति के व्यक्ति का उत्थान सर्वोपरि है।

इस अवसर पर राजेश बैरागी, हरीश वर्मा, हेमंत हरित, आदित्य मालू, अनिल माली, रामकुमार कुमावत, रवि गोयल, योगेश जैन, पवन भील, मनोज माहेश्वरी, भगवतीप्रसाद कौशल सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

35 वर्षीय ट्रैक्टर चालक ने लगाई फांसी

मंदसौर । जिले के नई आबादी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम उदपुरा में सोमवार रात 35 वर्षीय ट्रैक्टर चालक विकास प्रताप (पिता बापूलाल मीणा) ने पत्नी की साड़ी से फंदा बनाकर फांसी लगा ली। शराब के नशे में घर में विवाद और तोड़फोड़ करने के बाद उसने पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली।

घटना के बाद परिजन उसे गंभीर हालत में ट्रैक्टर ट्रॉली में डालकर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वर्तमान में नई आबादी थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, मृतक विकास मीणा लंबे समय से शराब का आदी था। सोमवार रात भी वह शराब के नशे में धुत होकर घर पहुंचा था। इसके बाद उसने घर में तोड़फोड़ करना और विवाद करना शुरू कर दिया। परिजनों ने बताया कि वह आए दिन इसी तरह शराब पीकर विवाद और तोड़फोड़ करता था।

ऑनलाइन सट्टा लगाते तीन आरोपी गिरफ्तार :1 लाख नकद, 3 मोबाइल और लाखों का हिसाब जब्त

नीमच । नीमच में आईपीएल सीजन के दौरान ऑनलाइन सट्टा माफियाओं के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। नीमच कैंट पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने हवाई पट्टी और जवाहर नगर क्षेत्र से तीन आरोपियों को ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा लगाते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 1 लाख 1 हजार रुपये नकद, 3 मोबाइल फोन और लाखों रुपये के डिजिटल लेनदेन का हिसाब जब्त किया है।

पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के सख्त निर्देशों के बाद जिले में जुआ-सट्टा रोकने के लिए पुलिस टीम अलर्ट पर थी। इसी क्रम में एएसपी नवल सिंह सिसोदिया और सीएसपी किरण चौहान के मार्गदर्शन में गठित विशेष टीम को सतगुरु बेकरी के पीछे मोबाइल पर सट्टा चलाने की सूचना मिली थी। थाना प्रभारी सौरभ शर्मा और साइबर सेल प्रभारी प्रदीप शिंदे की टीम ने घेराबंदी कर दबिश दी, जहां तीन युवक संदिग्ध हालत में पाए गए। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मनीष गुर्जर (24), हिमांशु सुंगधी (27) और यश सांवरिया (21) के रूप में हुई है।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी www.lotus7book.com जैसी वेबसाइट्स के माध्यम से आईडी बनाकर लोगों को अधिक मुनाफे का लालच देते थे। यह गिरोह आम लोगों से पैसा लगवाकर अवैध लाभ कमा रहा था। मनीष गुर्जर हवाई पट्टी रोड, हिमांशु सुंगधी जवाहर नगर और यश सांवरिया बघाना क्षेत्र के निवासी हैं।

पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य फरार सदस्यों की तलाश में जुटी है। अपराध समीक्षा बैठक में सभी थाना प्रभारियों को आईपीएल के दौरान सट्टे की गतिविधियों पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ जारी है, जिससे एक बड़े नेटवर्क का खुलासा होने की संभावना है।

सेन समाज ने आराध्य देव जन्मोत्सव पर वाहन रैली निकली

नीमच । नीमच में जिला सेन समाज संगठन और सेन जन्मोत्सव समिति ने मिलकर अपने आराध्य देव शिरोमणि सेन जी महाराज की 726वीं जयंती मनाई। दो दिनों तक चले इस आयोजन में जिले भर से समाज के लोग जुटे। कार्यक्रम के दौरान वाहन रैली और भजन संध्या जैसे मुख्य आयोजन हुए। मंगलवार को जयंती के मौके पर स्कीम नंबर 9 के नारायणी माता मंदिर से वाहन रैली निकाली गई। हाथों में केसरिया झंडे लिए समाज के लोग 'जय सेन' के नारे लगाते हुए चल रहे थे। यह रैली शहर के मुख्य रास्तों से होती हुई स्कीम नंबर 36 स्थित सेन वाटिका पर जाकर खत्म हुई। इस रैली में महिलाओं और पुरुषों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन – समारोह के पहले दिन सोमवार को कई खेलकूद प्रतियोगिताएं हुईं। युवाओं के लिए क्रिकेट मैच रखा गया, वहीं महिलाओं और बच्चियों के लिए चेयर रेस और चम्मच रेस जैसी स्पर्धाएं आयोजित की गईं, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

प्रतिभाओं का सम्मान और भजन संध्या – मंगलवार शाम को सेन वाटिका में समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। इसके बाद आयोजित भजन संध्या में गायकों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं, जिस पर समाजजन झूम उठे।

समाज को संगठित करने की पहल – जिला अध्यक्ष सुखलाल सेन ने बताया कि सेन महाराज की जयंती नीमच शहर के साथ-साथ जिले की सभी तहसीलों और ग्रामीण इलाकों में भी मनाई गई। उन्होंने कहा कि इस दो दिवसीय आयोजन का मकसद समाज को एक सूत्र में पिरोना और युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच देना था।

10 काली फिल्म वाहनों पर कार्रवाई :नाबालिग चालकों के परिजन को चेतावनी दी, 44 चालान काटे

नीमच । नीमच में सोमवार रात को ट्रैफिक पुलिस ने शहर में वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान काली फिल्म वाली गाड़ियों पर कार्रवाई हुई और नाबालिग बच्चों के गाड़ी चलाने पर उनके माता-पिता को जमकर फटकार लगाई गई।

ट्रैफिक थाना प्रभारी सोनू बड़गुर्जर और उनकी टीम ने शहर के मुख्य रास्तों पर नाकाबंदी की। पुलिस ने उन गाड़ियों को रोका जिन पर काली फिल्म लगी थी। मौके पर ही फिल्म उतरवाई गई और 10 चालकों से 3000 रुपए का जुर्माना वसूला गया।

नाबालिगों को गाड़ी देने पर परिजन को चेतावनी – चेकिंग के दौरान कई बच्चे गाड़ियां चलाते मिले। पुलिस ने उनके माता-पिता को मौके पर बुलवाया और सख्त हिदायत दी कि बच्चों को वाहन न दें। पुलिस ने साफ किया कि अगली बार पकड़े जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नियम तोड़ने वालों में मचा हड़कंप – पुलिस की इस अचानक कार्रवाई से हड़कंप मच गया। शाम तक टीम ने कुल 44 चालान काटे और 15,400 रुपए का जुर्माना वसूला।

आगे भी जारी रहेगी सख्ती – यातायात पुलिस ने चेतावनी दी है कि यह अभियान रुकने वाला नहीं है। पुलिस ने लोगों को सलाह दी है कि वे शराब पीकर गाड़ी चलाने, स्टंट करने और बुलेट में तेज आवाज वाले साइलेंसर लगाने से बचें, वरना सीधी कार्रवाई होगी।

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा

संजय गोस्वामी

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिकी का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की , जबकि ईरानी वाताकारों की अगुवाई अगुआई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है, आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11अप्रैल 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रीत है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गईं है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिकी का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की , जबकि ईरानी वाताकारों की अगुवाई अगुआई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11अप्रैल 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रीत है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गईं है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है दरअसल पाकिस्तान हाल ही में अफगानिस्तान में हवाई हमले कर 400 से अधिक निर्दोष नागरिकों को मौत की नींद सुला दिया और इजराइल पर ऐ आरोप लगाना तर्कसंगत है कि बेरूत में बम बरसा रहा है निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहा है जबकी वहाँ हिजबुल्लाह एक आतंकी संघठन है लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बुधवार को हुए इजरायली हमले में अब तक कम से कम 254 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 1100 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।जो मानता हूँ ठीक नहीं है लेकिन जब आंतकवादी को पनाह देने वाले और आतंकवादी गतिविधियों में हजारों की संख्या में खुद ही निर्दोष लोग जिसमें भारत भी है को धर्म के आधार पर मारते हैं तो क्या ऐ सही है यदि धर्म का आधार ही है तो अफगानिस्तान में क्यों निर्दोष लोगों को मारा गया ऐ सिर्फ और सिर्फ अपनी डफली अपना राग और अपने आतंकी छवि को एक सफेद झूठ की चादर से ढक रहें है पाकिस्तान और ईरान का सीमा विवाद कोई नया नहीं है 2 वर्ष पूर्व याद कीजियेगा 17 जनवरी 2024 को मंगलवार रात पाकिस्तान पर हुए ईरानी मिसाइल हमले में दो बच्चों की मौत और तीन अन्य के घायल होने के बाद पाकिस्तान और ईरान के राजनयिक संबंधों में दरार है। उस समय पाकिस्तान ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए तेहरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था और इस्लामाबाद में मौजूद ईरान के दूत के पाकिस्तान लौटने पर रोक लगा दी। उस समय इस्लामाबाद ने ईरान पर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोपलगाया, जबकि ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि मिसाइलों ने जैश अल-अदल नामक सशस्त्र समूह के दो ठिकानों को निशाना बनाया था।उस समय एक बयान में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा गया था , यह गैर-कानूनी हरकत पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसका कोई भी औचित्य नहीं है। इसमें चेतावनी दी गई, पाकिस्तान इस गैर-कानूनी हरकत का जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इसके परिणामों की पूरी ज़िम्मेदारी ईरान की होगी।अमेरिका भी कैसे पाकिस्तान के चंगुल में फंस गया ऐ भी उसकी वर्ड पावर की छवि को बहुत ही निचे बातचीत के टेबल तक ले गया ऐ उसके इतिहास में कभी नहीं हुआ की पाकिस्तान जैसे देश में जाकर शांति वार्ता के लिए मजबूरी वश जाना पड़ा क्योंकि पहले जितने भी राष्ट्रपति हुए वो या

तो वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर, हमले का बदला या ईरान पर हमला कर कभी पीछे नहीं मुड़ा जहाँ तक ईरान में युद्ध की बात है नाटो का कहना ऐ उसका निजी मामला है हमसे पूछ कर नहीं किया गया तो ईराक में जब सद्दाम हुसैन पर हमला किया गया तो किससे पूछ कर किया फिर भी वहाँ भी अमेरिका को क्या खतरा था ईरान से तो समझ में आता है कि अमेरिका को बाद में खतरा हो सकता था क्योंकि उसकी मिशायल की मारक क्षमता बाद में अमेरिका तक मार करने की क्षमता हासिल कर सकता था और जो अभी खाड़ी देशों में अमेरिका के बेस पर जिसतरह हमला हुआ वैसा पहले कभी नहीं हुआ ऐ अमेरिका को गहरा चोट पहुँचाया है और इसमें कहीं ना कहीं पाकिस्तान की भी मिली भगत हैं क्योंकि उसी के बॉडर से होकर ही हथियार गया है जो अमेरिका के लाख बम्रबारी के बाद भी 100 वीं लहर तक कैसे गया इसलिए की इसमें चीन और रूस के साथ पाकिस्तान का भी हाथ होगा हथियार पहुंचाने में, जो खबर निकल कर सामने आई है इसलिए पाकिस्तान शान्ति वार्ता क्या कराएगा जो खुद ही आतंकवादी के सहारे दहशतगर्द को पनपा रहा है और भारत में मासूमों की हत्या करवाता है 26/11/08 को मुंबई में पाकिस्तान के आईएसआई ने ऐसी कत्लेआम का अंजाम दिया जिसमें सैकड़ो मासूमों की जान चंद आतंकवादी ने कत्लेआम किया वो भी धर्म के नाम पर, और हाल ही में पहलगांव में दर्जनों भारतीय पर्यटक की हत्या धर्म के नाम पर की, अतः एक कहावत है जो संत कबीर ने लिखी है :-बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय, जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय,संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण (self-reflection) का संदेश देता है, जो सिखाता है कि दूसरों में दोष ढूंढने से पहले अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत अगर ऑपरेशन सिंदूर कर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला नहीं करता तो कट्टरवादी आतंकी फिर कोई नया खेल करते और भारतीय मासूमों की जान जाती किसी भी धर्म में मानवता को ही सर्वोपरि माना गया है लेकिन धर्म की आड़ लेकर लोग इसका फायदा आतंक को पनपाने में करता है जो विश्व के लिए खतरा है अब ईरान भी उसी रास्ते पर चल पड़ा है क्योंकि जिस तरह खाड़ी देशों में उसके हमले में कई निर्दोष नागरिकों की मौत हुई है और जिस तरह हार्मोस को पूरी तरह बंद करके दूसरे देश के लिए क्यों बन्द किया जिसका इस युद्ध से कोई लेना देना नहीं है और उसने इसे सबसे बड़े हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। तेहरान ने छोटी नावों का इस्तेमाल करके हार्मोज में माइंस बिछा दी जिससे कोई भी जहाज इसका शिकार हो सकता है जिससे इस युद्ध में कोई लेना देना नहीं है कई जहाजो को वहाँ से गुजरने पर उड़ा भी दिया गया ऐ सब विश्व शांति के लिए खतरा है, और आतंकवादी देश आतंकी देश ही आपस में तालमेल बिठा लेते हैं और आतंकी को पनपाने में अमेरिका का ही हाथ रहा है क्योंकि यह बात खुद ट्रम्प ने ही पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को ईरान में परमाणु समझौता किया जिससे वो आज परमाणु बम बनाने के तरफ कदम रखा, हुती हिजबुल्ला, हमास, मलेशिया ग्रुप ईरान के प्रॉक्सी ग्रुप हैं जो न सिर्फ इजराइल में बल्कि मिडिल ईस्ट में आतंकवादी गतिविधियों का अंजाम देते हैं ट्रम्प की हताशा यहाँ तक हो गईं थी की सभ्यता नष्ट की बात करते हैं और फिर शान्ति के मसीहा बन जाते हैं और ईरान में अपने पैर पसारने और सजाने संवारने की बात करते हैं वहीं ईरान में कहाँ परिवर्तन हुआ आज भी खामनोई का फोटो और झंडा लहराते हुए लोग जश्न मानते नजर आ रहें हैं युद्ध विराम किया अच्छी बात है लेकिन पहले डराने धमकाने और खत्म करने का धमकी देने की जरुरत क्या थी ईरान ने अमेरिका को आर्थिक और सामरिक दृष्टिकोण से अपने मिशायल से काफी नुकसान पहुँचाया है और खाड़ी देश से अमेरिका के बेस को इस तरह बर्बाद किया है कि उन देशों पर अमेरिका का भरोसा उठ गया है और ऐ युद्ध इजराइल के लिए खत्म नहीं हुआ है आज भी बेरूत में हिजबुल्ला पर अटैक कर ही रहा है। इसलिए ऐ सीजफायर ज्यादा दिन टिकने वाला नहीं है पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता मात्र एक दिखावा है क्योंकि ईरान का भरोसा खाड़ी में अपने परोसी देशों पर हमला करना और इजराइल ने साफ कहा है कि शांति वार्ता में ऐ युद्ध शामिल नहीं है और इजराइल का समर्थन ट्रम्प ने किया है तभी युद्ध हुआ और अब अमेरिका कुछ दिन युद्ध विराम कर इससे सबक लेते हुए आगे की सैन्य अभियान को द्रुस्त करने की है क्योंकि इसमें कई पेंच है जो इजराइल के पास येरुशेलम को लेकर एक धार्मिक स्थल है जो 2017 में डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बयान में साझा किया था कि यरूशलम न केवल तीन महान धर्मों का केंद्र है, बल्कि अब यह दुनिया के सबसे सफल लोकतंत्रों में से एक का भी केंद्र है। पिछले सात दशकों में, इजराइल के लोगों ने एक ऐसा देश बनाया है जहाँ यहूदी, मुसलमान, ईसाई और सभी धर्मों के लोग अपनी अंतरात्मा और अपनी मान्यताओं के अनुसार रहने और पूजा-अर्चना करने के लिए स्वतंत्र हैं। यरूशलम आज भी एक ऐसा स्थान है–और हमेशा ऐसा ही रहना चाहिए–जहाँ यहूदी वेस्टर्न वॉल पर प्रार्थना करते हैं, जहाँ ईसाई स्टेशन्स ऑफ द क्रॉस पर चलते हैं, और जहाँ मुसलमान अल-अक्सा मस्जिद में इबादत करते हैं।जहाँ अमेरिका के रक्षा मंत्री हेगसेथ का कहना है कि यरूशलम का इतिहास क्रूसेड्स–मध्ययुग के उन क्रूर युद्धों–का बचाव करने का रहा है, जिनमें ईसाई और मुसलमान एक-दूसरे के खिलाफ लड़े थे। अपनी 2020 की किताब अमेरिकन क्रूसेड में, उन्होंने लिखा कि जो लोग पश्चिमी सभ्यता का आनंद लेते हैं, उन्हें किसी क्रूसेडर का शुक्रिया अदा करना चाहिए। उनके दो टैटू क्रूसेडर इमेजरी से सम्बंधित है : उनके अनुसार जेरूसलम क्रॉस और ड्यूस वुल्ट या भगवान की इच्छा वाक्यांश, है जिसे हेगसेथ ने जेरूसलम की ओर मार्च करते समय ईसाई शूरवीरों का रैली का नारा कहा है। अमेरिका में ईसाई धर्म के लोग 65 परसेंट है और यही चुनाव में जीत हार को तय करता है पिछले इतिहास को देखेंगे तो मालूम पड़ेगा ऐ असल में एक धर्म युद्ध है जिसमें कई सालों से युद्ध हुआ और खतनाक नतीजे सामने आए हैं। इसलिए भारत का इसमें कोई रोल है ही नहीं भारत में भगवान राम ने शान्ति का संदेश दिया और भारत में सनातन इसलिए गर्व से अपने भगवान राम के लिए मानवता का संदेश दुनिया को पहुंचाता रहा है इसलिए भारत विश्वगुरू है क्योंकि भारत में भगवान राम का आशीर्वाद है और जब भी कोई संकट आएगा तो संकटमोचन रामभक्त भगवान हनुमान उसे बचाने आएंगे।इसलिए मीडिया को ऐसी खबर दिखाने से बचना चाहिए जिसमें आतंकवादी को पालने वाला पाकिस्तान का गुणगान हो रहा हो और अपने देश की विदेश कूटनीति पर सवाल हो हमारा देश अंगजो के लाख कोशिश के बाद भी सबसे ज्यादा भगवान राम पर आस्था है यही प्रमाण है कि 1984 में जब रामानंद सागर की रामायण फिल्म आई तो बाहर सन्नाटा दिखाई देता और हर घर में रामायण का सीरियस हरेक घर में चलता था भगवान राम का मार्ग कठिनाई से भरा जरूर है लेकिन एक आदर्श इंसान बनने के लिए प्रेरणादायक है। इसलिए भारत को गर्व करना चाहिए कि भारत की धरती पर भगवान का जन्म राम के रुप में हुआ इसलिए यहाँ की मिट्टी में अपने प्रभु राम के चरणों से हरियाली है और उसी मिट्टी में पंचतत्व का शरीर राम नाम सत्य के नाम से ईश्वर को पाने की लालसा रखता है इसलिए हम किसी दूसरे के झगड़े में क्यों अपना समय बर्बाद करें होशियार आदमी को समझाया जा सकता है लेकिन मुर्ख को नहीं, हमारी सभ्यता और संस्कृति सबसे उत्कृष्ट है जिसे स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में सिद्ध किया अब खबर ऐ आई है कि पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा रहा क्या फिर युद्ध की आग में निर्दोष लोग मारे जायेंगे।

संपादकीय

युद्धविराम 'वेंटिलेटर' पर

अमरीका-ईरान में युद्धविराम 'वेंटिलेटर' पर है। जिंदा है, सांस चल रही है, लेकिन कभी भी दम तोड़ सकता है। यह युद्धविराम के मात्र दो दिन का सारांश है। यदि इन दोनों देशों के बीच शांति-समझौता नहीं हो पाया अथवा युद्धविराम 'ईमानदार' ही नहीं रहा, तो उसके बाद 'महाविनाश का युद्ध' लगभग तय मानना चाहिए, क्योंकि अमरीका के विराट युद्धपोत, लड़ाकू विमान, मिसाइलें, ड्रोन समेत सैनिक मध्य-पूर्व में ही मौजूद हैं। युद्धविराम के कुछ ही घंटों में इजरायल ने लेबनान के कुछ शहरों में, 10 मिनट के अंतराल में ही, करीब 160 बम बरसाए, नतीजतन 303 से अधिक मासूम, बेगुनाह लोग मारे गए और 1500 से अधिक घायल हुए। इनके अलावा, बहुमंजिला इमारतें ध्वस्त कर दी गईं। यह सरकारी डाटा है। लेबनान की सडकों पर हृदयविदारक चीख-पुकार ने मन के भीतर बार-बार सवाल पैदा किए कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू 'सामूहिक नरसंहार' पर आमादा क्यों हैं? क्या वह मनुष्य नहीं हैं? अथवा एक राक्षस ने मनुष्य का मुखौटा पहन रखा है? यदि ऐसे नरसंहारों के प्रभाव में नेतन्याहू चुनाव जीत कर फिर प्रधानमंत्री बन जाते हैं, तो मानवता उस पर थूकती है। वक्त इस हत्यारे का भी आएगा, जब लाश बनने में कुछ पल ही लगेंगे! इजरायल भारत का मित्र-देश है, लेकिन भारत नरसंहारों को कभी भी समर्थन नहीं देता। सवाल यह नहीं है कि युद्धविराम की परिधि में लेबनान है या नहीं है। चिंता और सरोकार यह है कि इस नरसंहार के बाद युद्धविराम 'वेंटिलेटर' पर पहुंच गया है। ईरान तिलमिला उठा है। ईरानी संसद के स्पीकर कालीबाफ का मानना है कि युद्धविराम के 10 सूत्रों में से 3 सूत्रों का घोर उल्लंघन हुआ है, लिहाजा किसी शांति-वार्ता या समझौते का कोई मतलब नहीं रहा है। ईरान का आरोप है कि अमरीका इजरायल के जरिए जंग में है और जंगबंदी का ऐलान किया गया है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम, खासकर यूरेनियम के संवर्धन और अंततः परमाणु शक्ति सम्पन्न देश बनने के सबसे अहम मुद्दे पर अमरीका-ईरान के दरमियान विरोधाभास पूर्ववत हैं।

चिंतन-मनन

शुद्ध भक्त सर्वोत्तम

निर्विशेषवादी के लिए ब्रह्मभूत अवस्था अर्थात ब्रह्म से तदाकार होना परम लक्ष्म होता है। लेकिन साकारवादी शुद्धभक्त को इससे भी आगे शुद्ध भक्ति में प्रवृत्त होना होता है। इसका अर्थ हुआ जो भगवद्भक्ति में रत है, वह पहले ही मुक्ति की अवस्था, जिसे ब्रह्मभूत या ब्रह्म से तादात्म्य कहते हैं, प्राप्त कर चुका होता है। परमेर या परब्रह्म से तदाकार हुए बिना कोई उनकी सेवा नहीं कर सकता। परम ज्ञान होने पर सेव्य तथा सेवक में कोई अन्तर नहीं कर सकता, फिर भी उच्चतर आध्यात्मिक दृष्टि से अन्तर रहता ही है।

देहात्मबुद्धि के अन्तर्गत, जब कोई इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, तो दुख का भागी होता है, लेकिन परम जगत में शुद्ध भक्ति में रत रहने पर कोई दुख नहीं रह जाता। चूंकि ईश्वर पूर्ण है, अतएव ईश्वर से सेवारत जीव भी कृष्णभावना में रहकर अपने में पूर्ण रहता है। वह ऐसी नदी के तुल्य है, जिसके जल की सारी गंदगी साफ कर दी गई है। चूंकि शुद्ध भक्त में कृष्ण के अतिरिक्त कोई विचार ही नहीं उठते, अतएव वह प्रसन्न रहता है। वह न किसी भौतिक क्षति पर शोक करता है, न किसी लाभ की आकांक्षा करता है, क्योंकि वह भगवद् भक्ति से पूर्ण होता है। वह भौतिक जगत में न किसी को अपने से उच्च देखता है और न निम्न। ये उच्च तथा निम्न पद क्षणभंगुर है और भक्त को क्षणभंगुर प्राकट? या तिरोधान से कुछ लेना-देना नहीं रहता। उसके लिए पत्थर तथा सोना बराबर होते हैं।

यह ब्रह्मभूत अवस्था है, जिसे शुद्ध भक्त सरलता से प्राप्त कर लेता है। उस अवस्था में स्वर्ग प्राप्त करने का विचार मृगतृष्णा और इन्द्रियां विषदंतविहीन सर्प की भांति प्रतीत होती हैं। जिस प्रकार विषदंतविहीन सर्प से कोई भय नहीं रह जाता उसी प्रकार स्वतः संयमित इन्द्रियों से कोई भय नहीं रह जाता। भक्त के लिए समग्र जगत वैपुंठ तुल्य होता है। ब्रह्मांड का महान से महानतम पुरुष भी भक्त के लिए क्षुद्र चींटी से अधिक महत्वपूर्ण नहीं होता।

अभी न जाओ छोड़कर के दिल अभी भरा नहीं ... कृति ने आशा भोसले को दी श्रद्धांजलि ।

नीमच। साहित्य, समाज एवं संस्कृति के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय संस्था कृति द्वारा प्रख्यात सुर साधिका एवं पद्म विभूषण से सम्मानित महान गायिका आशा भोसले के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में उपस्थित सदस्यों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अद्वितीय संगीत योगदान को स्मरण किया। संस्था अध्यक्ष डॉ. अक्षय राजपुरोहित ने कहा कि आशा जी के निधन से सुरों का बाग जैसे वीरान हो गया है। किशोर जावेरिया ने कहा कि उनकी कला और आवाज सदैव अमर रहेगी। सत्येंद्र सक्सेना ने उन्हें आवाज के जादू का एक युग बताया। मंजुला धीर ने कहा कि उनकी आवाज ही उनकी सबसे बड़ी पहचान थी। ई. बाबूलाल गौड़ ने कहा कि उनकी मधुर आवाज और सुर सदैव अमर रहेंगे। रघुनंदन पराशर ने उनके गाए अमर गीतों को

याद किया। राजेश जायसवाल ने कहा कि आशा जी को हमेशा याद किया जाएगा। डॉ. साधना सेवक ने कहा कि वे अत्यंत महान गायिका थीं और अपनी अमर गायकी के कारण सदैव जीवित रहेंगी। सविता चौधरी ने कहा कि उनके गीतों की मधुरता सदैव दिलों में गूंजती रहेगी। घनश्याम अम्ब ने इसे संगीत जगत की अपूरणीय क्षति बताया। गणेश खंडेलवाल ने कहा कि भारतीय संगीत के लिए यह अत्यंत दुखद समाचार है। सभा में ईश्वर से प्रार्थना की गई कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें। इस अवसर पर भरत जाजू, रघुनंदन पराशर, प्रकाश भट्ट, इंजी. बाबूलाल गौड़, कमलेश कुमार जायसवाल राजेश जायसवाल, जीवन कौशिक सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बाबा साहेब ने अपना जीवन, पढ़ाई, ज्ञान प्राप्ति, समानता, भाईचारे और मानवता के लिए समर्पित किया है-श्री सखलेचा

नीमच । भारत रत्न बाबा साहब डॉ.भीमराव अम्बेडकर ने अपना सम्पूर्ण जीवन, पढ़ाई, ज्ञान प्राप्ति, समानता, भाईचारे और मानवता के लिए समर्पित किया है। डॉ.अम्बेडकर का प्रकाशवान जीवन दर्शाता है, कि वे विद्वान और कर्मशील व्यक्तित्व के धनी थे। डॉ.अम्बेडकर के विचार और कार्य हमारे समाज में आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं का समाधान करने में हमारा मार्गदर्शन कर सकते है। उक्त विचार पूर्व मंत्री एवं जावद क्षेत्र के विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने डॉ.भीमराव अम्बेडकर जयंती पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जिला स्तरीय डॉ.अम्बेडकर जयंती समारोह सह हितलाभ वितरण सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। इस मौके पर नीमच विधायक श्री दिलीप सिह परिहार, श्री वंदना खण्डेलवाल, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव भी विशेष रूप से मंचासीन थे।

विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा, कि नीमच में डॉ.अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापित है।सिंगोली में भी उनकी प्रतिमा स्थापित की गई है और रतनगढ में भी डॉ.अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापित करने की प्रक्रिया जारी है। उन्होने कहा, कि प्रदेश सरकार प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने का हर संभव प्रयास कर रही है।

विधायक श्री दिलीप सिह परिहार ने अपने उदबोधन में कहा कि डॉ.भीमराम अम्बेकर ने अर्थशास्त्र राजनीति, कानून दर्शन, समाजशास्त्र का अच्छा ज्ञान प्राप्त किया। म.प्र.की धरती महू से निकल कर उन्होने विदेशो में पढ़ाई की और अपना जीवन समाज की भलाई के कार्य में लगाया। डॉ.अम्बेडकर द्वारा रचित संविधान से ही हमे मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य मिले है।

विधायक श्री परिहार ने कहा, कि नीमच में 5 करोड़ की लागत से नवीन छात्रावास मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा स्वीकृत किया गया है। उन्होने कहा, कि अ.जा. वर्ग के विद्यार्थियों, युवाओं के लिए सरकार ने अनेको योजनाए संचालित की है। सबका साथ, सबका विश्वास, सबका प्रयास और सबका विकास के मूलमंत्र के आधार पर सरकार सभी वर्गो के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

इस अवसर पर विधायक श्री सखलेचा, श्री परिहार एवं अतिथियों ने डॉ.भीमराव अम्बेडकर स्वरोजगार योजना, श्री बिरसामुण्डा स्वरोजगार योजना, डॉ.भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना के तहत 8 हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित कर लाभांवित किया। समारोह में सांदिपनी विद्यालय नीमच के छात्र-छात्राओं ने डॉ.भीमराव अम्बेडकर के बाल जीवन पर आधारित नृत्य, नाटिका, प्रस्तुत की, जिसे उपस्थित जनों ने सराहा। महाविद्यालयीन छात्रावास नीमच की छात्राओं ने भी प्रसतुति दी। सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए भी दलों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गये। कार्यक्रम का संचालन श्री अरूण सोलंकी ने किया तथा अंत में जिला संयोजक श्री राकेश राठौर ने आभार माना।

इस मौके पर श्री रवि गोयल, श्री रतनलाल मालावत, श्री हेमन्त हरित एवं जनप्रतिनिध, एडीएम श्री बी.एस.कलेश, एसडीएम श्री संजीव साहू सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण व स्कूली छात्र-छात्राए उपस्थित थे।

कार्यालय ग्राम पंचायत राबड़िया

(जनपद नीमच जिला नीमच मप्र)

कमांक- /ग्रा.प./निर्माण/2026-28 दिनांक-25/03/2025

निविदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत राबड़िया द्वारा समस्त योजना अंतर्गत कराये जा रहे निर्माण कार्य हेतु वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए निर्माण कार्यों में लगने वाली सामग्री एवं मशिनरी हेतु निविदाएं आमंत्रित की जानी है, इच्छुक व्यक्ति, संस्था या फर्म 17/04/2026 तक दोप. 03 बजे तक निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय भवन पर प्रस्तुत कर सकते है

सामग्री का नाम	A.D.P.) (P.V.C, C.P.V.C, GI.,MS)
1. सौलिड कांक्रिट ब्लाट	16. मोटर 10HP+5HP
2. पेवर ब्लॉक	17 समरसीबल केबल
3. फर्शी	18. सरिया / एंगल/पार्टन/पाईप
4. ईट	19. दरवाजा, खिड़की, चेनल गेट, चेम्बर, आदि
5. गिट्टी 6, 12x20, 40	20. मिक्सर
6. सिमेन्ट	21. वाईब्रेटर
7. बड़ी रेत	22. सेंटिंग
8. बालू रेत	23. रोलर
9. मुरम भराव	24. टाईल्स / शीर्ट
10. टेंकर	25. सिमेन्ट पाईप
11. ट्रेक्टर	26. बद्दा / पत्थर
12. लेवलिंग मशीन	27. सीएफएल, बल्फ, स्ट्रीट लाईट
आदि सामग्री समय पर आवश्यकतानुसार	28. एलएडी
13. जेसीबी मशीन प्रतिघण्टा	29. कचरा पेटी
14. शेड/ चद्दर सिमेन्ट, टीन, मल्टी /	30. कचरा गाड़ी
15. पाईप (P.V.C, 63MM, 75MM, 90 MM,	31. नल, जल, पलम्बरिंग योजना साम्ही
	32. वेस्ट मटेरियल उठवाई ट्राली दर

नोट - 1. विस्तृत जानकारी के लिए ग्राम पंचायत राबड़िया में सम्पर्क करें

2. निविदा संबंधी अंतिम निर्णय समयानुसार लेने का अधिकारी ग्राम पंचायत राबड़िया को होगा!

सरपंच — अनिल पाटीदार

सचिव — ओंकारलाल गेहलोत

कार्यालय ग्राम पंचायत फुलपुरा

(जनपद मनासा जिला नीमच मप्र)

कमांक- /ग्रा.प./निर्माण/2026-28 दिनांक-25/03/2025

निविदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत फुलपुरा द्वारा समस्त योजना अंतर्गत कराये जा रहे निर्माण कार्य हेतु वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए निर्माण कार्यों में लगने वाली सामग्री एवं मशिनरी हेतु निविदाएं आमंत्रित की जानी है, इच्छुक व्यक्ति, संस्था या फर्म 17/04/2026 तक दोप. 03 बजे तक निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय भवन पर प्रस्तुत कर सकते है

सामग्री का नाम	A.D.P.) (P.V.C, C.P.V.C, GI.,MS)
1. सौलिड कांक्रिट ब्लाट	16. मोटर 10HP+5HP
2. पेवर ब्लॉक	17 समरसीबल केबल
3. फर्शी	18. सरिया / एंगल/पार्टन/पाईप
4. ईट	19. दरवाजा, खिड़की, चेनल गेट, चेम्बर, आदि
5. गिट्टी 6, 12x20, 40	20. मिक्सर
6. सिमेन्ट	21. वाईब्रेटर
7. बड़ी रेत	22. सेंटिंग
8. बालू रेत	23. रोलर
9. मुरम भराव	24. टाईल्स / शीर्ट
10. टेंकर	25. सिमेन्ट पाईप
11. ट्रेक्टर	26. बद्दा / पत्थर
12. लेवलिंग मशीन	27. सीएफएल, बल्फ, स्ट्रीट लाईट
आदि सामग्री समय पर आवश्यकतानुसार	28. एलएडी
13. जेसीबी मशीन प्रतिघण्टा	29. कचरा पेटी
14. शेड/ चद्दर सिमेन्ट, टीन, मल्टी /	30. कचरा गाड़ी
15. पाईप (P.V.C, 63MM, 75MM, 90 MM,	31. नल, जल, पलम्बरिंग योजना साम्ही
	32. वेस्ट मटेरियल उठवाई ट्राली दर

नोट - 1. विस्तृत जानकारी के लिए ग्राम पंचायत फुलपुरा में सम्पर्क करें

2. निविदा संबंधी अंतिम निर्णय समयानुसार लेने का अधिकारी ग्राम पंचायत फुलपुरा को होगा!

सरपंच — सुगना बाई भारत सिंह चौहान

सचिव — चेनराम

मन की साधना

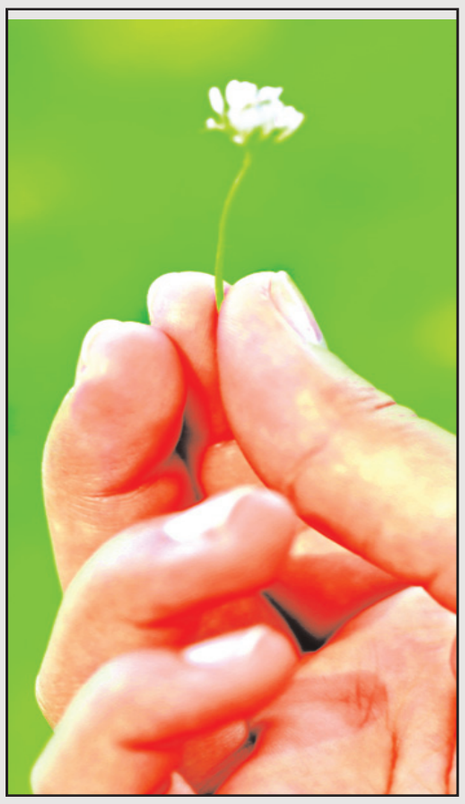

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता में है जीवन का ज्ञान

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अतः भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

ऊर्जा एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसे हम देख नहीं सकते, बल्कि उसका अनुभव कर सकते हैं। यही ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है।

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

यशनगर जाट मे निःशुल्क नैत्र चिकित्सा शिविर का होगा आयोजन संपन्न, शिविर मे 67 हितग्राहियों की हुई जॉच

रतनगढ़ मे दो दीवसीय संत शिरोमणी श्री सेन जी महाराज का 726 वॉ जन्मोत्सव के उपलक्ष्य मे दिनांक 13 अप्रेल 2026 को यशनगर जाट मे निःशुल्क नैत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमे सेन समाज जिलाध्यक्ष सुखलाल सेन आदि के मुख्य आतिथ्य मे कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम शुभारंभ से पूर्व जिला सेन समाज द्वारा भगवान श्री राधाकृष्ण एवं संत शिरोमणीसेन जी महाराज की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम मे आमंत्रित अतिथि मांगीलाल सेन मनासा जिला सेन समाज संरक्षक, श्याम टाकवाल जिला सेन समाज संरक्षक, सुखलाल सेन सेन समाज जिलाध्यक्ष, सोनू सेन कार्यकारी अध्यक्ष एवं सरपंच कनावटी, करण टाक भादवा माता धर्मशाला अध्यक्ष, रमन गहलोत सेन वाटिका अध्यक्ष, विनोद सेन सामुहिक विवाह परिचय सम्मेलन अध्यक्ष, मनोहर सेन जिला युवा कार्यवाहक अध्यक्ष, लखन भाटी, जिला उपाध्यक्ष, मुरली सेन सिंगोली तहसील अध्यक्ष, पारसमल सैन वरिष्ठ समाज सेवी सिंगोली, राजेश सेन जन्मोत्सव समिति अध्यक्ष, शंभूलाल सैन, सैन समाज मंदिर जाट चौखला अध्यक्ष आदि का स्वागत यशनगर जाट कमेटी उपाध्यक्ष राकेश सेन, कोषाध्यक्ष भेरूलाल सेन, रतनगढ़ समाज सेवी शांतिलाल सेन, रूपेश सेन द्वारा दुपट्टा एवं साफा पहनाकर किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुखलाल सेन द्वारा अपने संबोधन के दौरान समाज के समस्त परिवारों को प्रत्येग क्षैत्र मे सैन जी महाराज का जन्मोत्सव मनाने का आह्वान किया गया तथा संत शिरोमणी सेन जी महाराज के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। उद्बोदन की इसी कडी मे श्याम टाकवाल जिला सेन समाज संरक्षक, सोनू सेन कार्यकारी अध्यक्ष एवं सरपंच कनावटी, करण टाक भादवा माता धर्मशाला अध्यक्ष, रमन गहलोत सेन वाटिका अध्यक्ष, विनोद सेन सामुहिक विवाह परिचय सम्मेलन अध्यक्ष, लखन भाटी, जिला उपाध्यक्ष आदि ने बताया कि, लगभग पांच सौ वर्ष पहले इस धरती पर एक महान संत सेन महाराज का अवतरण हुआ जिससे बांधवगढ़ की प्रसिद्धि और बढ़ गई। भक्तमाल के सुप्रसिद्ध टीकाकार प्रियदास के अनुसार संत शिरोमणि सेन महाराज का जन्म विक्रम संवत 1557 में वैशाख कृष्ण-12 (द्वादशी), दिन रविवार को वृत योग तुला लग्न पूर्व भाद्रपक्ष को चन्दन्यायी के घर में हुआ। बचपन में इनका नाम नंदा रखा गया। नंदा बचपन से ही विनम्र, दयालु और ईश्वर में दृढ़ विश्वास रखते थे। सेन महाराज ने गृहस्थ जीवन के साथ-साथ भक्ति के मार्ग पर चलकर हमें यह संदेश दिया कि मनुष्य दृढ़ संकल्प करके अपने लक्ष्य को प्राप्त करना चाहे तो भक्ति के कर्म पर अटूट विश्वास के साथ अपना जीवन उत्कृष्ट बना सकता है। तथा जिला सेन समाज ने रतनगढ़ क्षैत्र द्वारा मानव सेवा हेतु किये गये प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि, इस प्रकार के आयोजन सभी स्थानों पर होना चाहिये।

नीमच में अंबेडकर जयंती पर रैली निकाली

नीमच । शहर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के मौके पर उत्साह देखा गया। मंगलवार को अजाक्स, नाजी, जयस और भीम आर्मी जैसे कई संगठनों ने मिलकर कार्यक्रम आयोजित किया।

आयोजन की शुरुआत टाउन हॉल से चल समारोह (रैली) के रूप में हुई। यह रैली शहर के मुख्य रास्तों जैसे विजय टॉकीज, भारत माता चौराहा और कमल चौक से होती हुई अंबेडकर सर्किल पहुंची।

रैली में शामिल हजारों लोग नीले साफे और दुपट्टे पहने हुए थे, जिससे पूरी सड़कें नीली दिखाई दे रही थीं। खुली जीप में बाबा साहब की तस्वीर सजाई गई थी, जिस पर लोगों ने जगह-जगह फूल बरसाकर स्वागत किया।

इस बार की रैली में झाबुआ से आई आदिवासी पार्टी का 'भगोरिया नृत्य' और 10 ढोल की थाप सबसे खास रही। ढोल की गूंज और पारंपरिक डांस ने रास्ते भर लोगों का मन मोह लिया। अजाक्स अध्यक्ष महेश जांगड़िया की अगुवाई में निकली इस रैली में पुरुषों के वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। गर्मी को देखते हुए समाज के लोगों ने जगह-जगह पानी और ठंडे शरबत के स्टॉल लगाए थे, ताकि रैली में शामिल लोगों को राहत मिल सके।

जावद में नयागांव CCI सीमेंट प्लांट ढहाया : प्री-हीटर टावर गिराया

नीमच । जिले के नयागांव में स्थित सरकारी सीसीआई सीमेंट फैक्ट्री का वजूद अब पूरी तरह खत्म हो गया है। रविवार शाम को प्लांट के प्री-हीटर टावर को कंट्रोल ब्लास्ट के जरिए गिरा दिया गया।

पिछले तीन महीनों से इस पूरी फैक्ट्री को तोड़ने और डिस्मेंटल करने का काम चल रहा था, जो अब आखिरी चरण में है। यह प्लांट 1 मार्च 1982 को शुरू हुआ था और यहां हर साल लाखों टन सीमेंट और क्लिंकर बनता था। यहां एक समय पूरी टाउनशिप बसी हुई थी, जहां शहर जैसी तमाम सुविधाएं मौजूद थीं।

लेकिन खराब माली हालत के चलते 30 जून 1997 को बिजली का बिल जमा न होने पर इसका कनेक्शन काट दिया गया। इसके बाद मशीनें ऐसी थमीं कि ढाई दशक तक यह पूरा इलाका वीरान पड़ा रहा।

कबाड़ की कीमत पर छिड़ी रार – एक गुजराती कंपनी इस फैक्ट्री को तोड़ने का काम कर रही है। बताया जा रहा है कि प्लांट के कबाड़ से अब तक करीब 100 करोड़ रुपए सरकारी खजाने में जमा हो चुके हैं। हालांकि, इस नीलामी को लेकर चर्चाएं गरम हैं क्योंकि साल 2012-13 में इसकी वैल्यू करीब 440 करोड़ रुपए आंकी गई थी। मात्र 44 करोड़ के शुरुआती टेंडर और फिर 100 करोड़ में डील होने पर लोग सवाल उठा रहे हैं।

सरकारी बंद और निजी को तवज्जो? – फैक्ट्री खत्म होने के साथ ही राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। कांग्रेस का आरोप है कि चुनाव में इसे दोबारा चालू करने के वादे तो किए गए, लेकिन असल में इसे बेच दिया गया।

जानकारों का कहना है कि यहां एशिया का सबसे बेहतरीन लाइमस्टोन (पत्थर) उपलब्ध है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जहां एक ओर संसाधनों से भरपूर सरकारी प्लांट को मिट्टी में मिला दिया गया, वहीं पास के ही सगराना गांव में एक निजी कंपनी 4000 करोड़ का नया प्लांट लगा रही है।

काम पूरा, रिपोर्ट दिल्ली भेजी गई – फैक्ट्री के महाप्रबंधक जयंत विश्वास के अनुसार, प्लांट को डिस्मेंटल करने का काम पूरा हो चुका है।

इसकी पूरी रिपोर्ट केंद्र सरकार के संबंधित मंत्रालय को भेज दी गई है। सरकारी रिकॉर्ड में अब यह फैक्ट्री पूरी तरह से बंद और ध्वस्त मानी जाएगी।

अत्याचार निवारण प्रकरणों का त्वरित निराकरण करें, एडीएम के निर्देश

नीमच । अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। एडीएम बी.एस. कलेश ने कहा कि पीड़ितों को समय पर राहत राशि दिलाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें। सोमवार को एडीएम कार्यालय में आयोजित जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक में उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि दर्ज मामलों में शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए और जाति प्रमाण पत्र के अभाव में लंबित प्रकरणों का भी जल्द निराकरण किया जाए। बैठक में अन्य जिलों को भेजे गए प्रकरणों में भुगतान की जानकारी प्राप्त करने पर भी जोर दिया गया। प्रारंभ में राकेश कुमार राठौर ने राहत प्रकरणों में की गई कार्रवाई की जानकारी दी। अशासकीय सदस्य अनूप व्यास ने एक मामले का उल्लेख करते हुए कार्रवाई की आवश्यकता जताई। बैठक में समिति के अन्य सदस्य एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। अंत में जिला संयोजक राकेश कुमार राठौर ने आभार व्यक्त किया।

प्याज के नीचे छिपाया डोडा चूरा:बोलेरो के में भरकर कर रहे थे तस्करी, 4 आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर । जिले के नाहरगढ़ थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 1 क्विंटल से अधिक डोडाचूरा जब्त किया है। तस्कर बिना नंबर की बोलेरो में इसे छिपाकर राजस्थान ले जा रहे थे। पुलिस ने वाहन सहित करीब 10 लाख रुपए का माल जब्त किया है। नशा मुक्ति अभियान के तहत थाना प्रभारी निरीक्षक वरुण तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम सक्रिय थी। सोमवार शाम मुखबिर से सूचना मिली कि खेड़ा क्षेत्र से तस्कर बोलेरो में डोडाचूरा भरकर बिल्लोद-नाहरगढ़ मार्ग से राजस्थान जाने वाले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने पुलिया के पास नाकाबंदी कर दी। कुछ देर बाद संदिग्ध बोलेरो को रोककर तलाशी ली गई। जांच में वाहन से डोडाचूरा बरामद हुआ, जिसे तुरंत जब्त कर लिया गया।

प्याज के नीचे छिपाया था मादक पदार्थ – तस्करों ने पुलिस से बचने के लिए वाहन में ऊपर प्याज भर रखे थे। जब पुलिस ने प्याज हटवाए तो नीचे चार ट्रॉली बैग मिले, जिनमें डोडाचूरा भरा था। तौल करने पर इसका वजन करीब 1 क्विंटल 4 किलो निकला।

पुलिस ने मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें किशोर राव भाट (मंदसौर), सोनू सेन (गंगानगर), ताराचंद मेघवाल और हरिकिशन नायक (दोनों अनूपगढ़, राजस्थान) शामिल हैं। वहीं सप्लायर और मुख्य सरगना फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

26 अप्रैल को नए नियमों के साथ होगी MPPSC एग्जाम

भोपाल । मध्यप्रदेश पब्लिक सर्विस कमीशन यानी MPPSC की प्रीलिम्स परीक्षा में इस बार काफी बदलाव देखने को मिलेंगे। पहली बार अभ्यर्थियों को एग्जाम शुरू होने के 90 मिनट पहले एग्जाम सेंटर पर पहुंचना होगा। वहीं पहली बार नेगेटिव मार्किंग भी होगी। आयोग के अनुसार, यह बदलाव परीक्षा में पारदर्शिता और सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया है।

अभ्यर्थियों को थ्री लेयर सिक्योरिटी से गुजरना होगा – MPPSC की नई गाइडलाइन के अनुसार केंद्रों पर अभ्यर्थियों को थ्री लेयर सिक्योरिटी से गुजरना होगा। इसमें हर उम्मीदवार को 5 से 7 मिनट का समय लगेगा, इसी कारण एग्जाम सेंटर आने का समय 90 मिनट पहले किया गया है। पहले यह समय 45 मिनट पहले था। वहीं परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले ही केंद्रों के प्रवेश द्वार बंद कर दिए जाएंगे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।